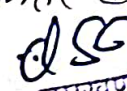


न्यायालय का नाम :- उपखण्ड अधिकारी, जोधनेर

केस सं.

/202.....

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	12/3/25	पत्रावली पेश हुई। P.O. का अन्वय का अध्यापन कार्य ही गया राजमार्ग में चलता है। पूर्व आदेशानुसार दिनांक 16/4/25 को पेश हो गई
2 सुश्रुत/10	16.4.25	पत्रावली पेश हुई। वारीगठा एवं उनके अधिकाता उपस्थित। अधिवक्ता वारीगठा द्वारा प्रार्थना पत्र एवं भावना को पेश किया गया की अन्त भारतीय को प्रतिवादी की रूपान्तरण करने बाबत पत्रावली को उल्लेखित किया है तथा वारीगठा ने अन्त का अध्यापक का दावा सिविल न्यायालय में अर्जुत कर रखा है। इसलिए वारीगठा अपने वाद को भागी-पलता नहीं चाहते हैं। अतः वाद को विद्वं करने की अनुमति प्रदान करावे।
Identified leaf.		अधिवक्ता वारीगठा द्वारा अर्जुत प्रार्थना पत्र एवं पत्रावली का धवसौकन किया गया। अधिवक्ता वारीगठा द्वारा अर्जुत प्रार्थना पत्र वाद वाद विद्वं किन्ने जाने स्वीकार किया जाता-अर्जुत प्रतीत होने से प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वारीगठा का वाद विद्वं प्रार्थना पत्र के आधार स्वरिप्त किया जाता है। पत्रावली नैवल नुम्बर होकर नंबर से कम होकर दाखिल रहता है। <div style="text-align: right;">  उपखण्ड अधिकारी जोधनेर जयपुर </div>